



माँ की पूजा में अनंत शक्ति

माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के प्रबंधक एवं राजपुरोहित पंडित नमन पाण्डेय (नन्हा महाराज) ने बताया कि नवरात्रि का विशेष महत्व है। इस शारदीय नवरात्रि माँ आदि शक्ति का आगमन गज पर हो रहा है, जो पूरे विश्व के लिए शुभता का संदेश है और आने वाला वर्ष सर्वश्रेष्ठ होगा, इस कामना के साथ यह शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर से प्रारंभ हो रही है और 19 अक्टूबर को संपन्न होगी। उन्होंने बताया शक्ति की पूजा में अनंत शक्ति है और पूजा से सुख, समृद्धि एवं वैभव प्राप्ति के साथ आध्यात्मिक शुद्धि की भी प्राप्ति होती है।

11 अक्टूबर से होगी प्रारंभ
19 अक्टूबर को होगी सम्पन्न
गज पर सवार होकर आएंगी माँ आदिशक्ति

शारदीय क्वांर नवरात्रि 11 अक्टूबर से: माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा में तैयारियां तेज

कोरबा (दिव्य आकाश)।

हसदेव नदी के तट पर स्थित आस्था का केंद्र माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा में शारदीय नवरात्रि को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस बार शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर से शुरू हो रही है, जिसे लेकर मंदिर समिति और जिला प्रशासन दोनों सक्रिय हो गए हैं। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर दुरपा कोरबा नदी के तट पर विश्व कल्याणी जगत माता जगदम्बिका माँ श्री सर्वमंगला देवी की असीम कृपा से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शारदीय क्वांर नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर माँ सर्वमंगला देवी के पवित्र स्थल में शुक्ल पक्ष प्रतिपदा दिन रविवार 11 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ एवं शुक्ल पक्ष नवमी दिन सोमवार 19 अक्टूबर 2026 तक माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर में सर्वमनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। शारदीय क्वांर नवरात्रि के नौ दिन तक परिसर में यज्ञोपवित संस्कार, जसगीत गायन, कीर्तन-भजन सहित अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होंगे।

मंदिर के राजपुरोहित एवं प्रबंधक नमन पाण्डेय (नन्हा महाराज) ने बताया कि मंदिर परिसर में साफ-सफाई, रंग-रोगन और विद्युत सजावट का कार्य अंतिम चरण में है। मनोकामना ज्योति कलश के लिए विशेष कलश भवनों को तैयार किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी यहां हजारों की संख्या में ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। गौरतलब है कि कोरबा के माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर को जिले की आराध्य देवी माना जाता है। यह मंदिर लगभग 130 साल पुराना है और कोरबा राजघराने की कुलदेवी के रूप में पूज्य है, जो आज सर्वत्र पूजनीय हो गई है और मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामनाएं यहां पूरी होती हैं। इसी कारण नवरात्रि में यहां न केवल कोरबा, छत्तीसगढ़, बल्कि देश के कोने-कोने सहित अमेरिका के कैलिफोर्निया, लंदन, सिडनी और सिंगापुर तक से भक्त ऑनलाइन ज्योति कलश जलवाते हैं। पिछले साल यहां करीब 10 हजार ज्योति कलश जलाए गए थे, जिसमें करीब 09 हजार तेल और करीब 1 हजार घी के दीप शामिल थे।

नवरात्रि के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी तैयारी तेज है। सर्वमंगला पुलिस सहायता केंद्र द्वारा मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग, कतार व्यवस्था और 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था के लिए तैयारी की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन हो सके।

मंदिर समिति की अपील ज्योति कलशों के लिए प्राप्त कर लें रसीद

मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे ज्योति कलश के लिए समय पर रसीद प्राप्त कर लें। तेल ज्योति कलश 901 रुपये और घृत ज्योति कलश 2101 रुपये में प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। नौ दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के दौरान मंदिर परिसर में भंडारा, धार्मिक अनुष्ठान और विद्वान पंडितों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना भी की जाएगी। धर्मानुरागी मंदिर परिसर से तैल्य ज्योति कलश या घृत ज्योति कलश प्रज्ज्वलित कराने रसीद प्राप्त कर लें।

मनोकामना ज्योति कलश के लिए इन स्थानों पर करें संपर्क -

माँ सर्वमंगला मंदिर परिसर दुरपा कोरबा, अविनाश स्टेशनरी, दर्री रोड कोरबा, मो. 7697777770, अविनाश ट्रेडर्स, दर्री रोड कोरबा, मो. 98271-89511, जय माँ दक्षिणेश्वरी डेली नीड्स, बजरंग टाकीज के सामने,कोरबा- 9754926033, पवन जनरल स्टोर्स, उरगा-कोरबा, महामाया बुक डिपो, बालको- 243034, शारदा प्रोविजन स्टोर्स, इंदिरा कॉम्पलेक्स, जमनीपाली, एजुकेशन हब, कचहरी चौक, डीडी प्लाजा, जांजगीर - 9098888246, 9098888644, अजय मोबाईल - सब्जी मार्केट के सामने, मंगला चौक बिलासपुर -9098888260, रतन जनरल स्टोर्स, विकास नगर कसमुण्डा-272130, शंकर लाल डुबे, छुरीकला - 7898597355, गोपाल जनरल स्टोर, घुडदेवा- 7771899437, गायत्री मेडिको, निहारिका - 9424141437, सरस्वती बुक डिपो, जूनाडीह -275888, मित्तल ऑटोमोबाईल्स, सुराकछार - 9425226745, गणेश ऑटो पार्ट्स एण्ड गणेश पान मसाला, बालको- 9893349692, 7999876704, नरेश चौहान, मुड़ापार 9098156287, सर्वमनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित हेतु तैल्य ज्योति कलश 901/- रू. एवं घृत ज्योति कलश 2100/- रू. जमा कर रसीद प्राप्त करें।

रंगदारी केस में फरार शोएब ढेबर पर 5000 का इनाम

रायपुर (एजेंसी)।

बिश्नोई गैंग के नाम पर रायपुर के कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ की रंगदारी मांगने वाला आरोपी शोएब ढेबर फरार है। रायपुर पुलिस ने उस पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। आदेश में पुलिस अधिकारियों ने लिखा है कि, आरोपी लगातार पुलिस से बचने के लिए ठिकाने बदलकर फरार चल रहा है। पुलिस ने कहा है कि शोएब ढेबर की गिरफ्तारी या गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले व्यक्ति को इनाम दिया जाएगा। बता दें कि रंगदारी मामले में पुलिस ने शोएब ढेबर को अरेस्ट किया था। लेकिन जमानत मिलने पर उसे छोड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने दोबारा कोर्ट से उसकी गिरफ्तारी की अनुमति ली। इसके बाद से शोएब ढेबर फरार है।

रायपुर एयरपोर्ट के नए डायरेक्टर होंगे मोहम्मद आरिफ

रायपुर (एजेंसी)।



रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के नए एयरपोर्ट डायरेक्टर के रूप में मोहम्मद आरिफ की नियुक्ति की गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के आदेश के अनुसार वे 6 अक्टूबर 2026 से रायपुर एयरपोर्ट का कार्यभार संभालेंगे। मोहम्मद आरिफ AAI के वाणिज्यिक विभाग से जुड़े हैं। वे विमानन और एयरपोर्ट संचालन के क्षेत्र में अनुभवी अधिकारी हैं। इससे पहले वे बागडोगरा एयरपोर्ट और कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एयरपोर्ट डायरेक्टर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

यात्री सुविधाओं पर रहेगा फोकस

दो प्रमुख एयरपोर्ट के डायरेक्टर के रूप में काम करने के दौरान आरिफ को एयरपोर्ट संचालन, प्रशासन, यात्री सुविधाओं और यात्री सेवाओं का अनुभव मिला है। उनके अनुभव से रायपुर एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं और सेवाओं को और बेहतर करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आरिफ के कार्यभार संभालने के बाद एयरपोर्ट के संचालन और यात्री-केंद्रित सेवाओं को और मजबूत करने पर फोकस रहेगा।

सिंगापुर की एनर्जी कैपिटल ग्लोबल छत्तीसगढ़ में एआई-रेडी डेटा सेंटर कैंपस में करेगी रू.41,750 करोड़ का निवेश

रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए सिंगापुर में आयोजित प्रथम सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ (SING) फोरम 2026 में रू.43,250 करोड़ के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की प्रतिबद्धताएं प्राप्त कीं। इनमें एआई-रेडी डेटा सेंटर कैंपस के लिए रू.41,750 करोड़ की एक बड़ी निवेश प्रतिबद्धता शामिल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने फोरम में राज्य के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जहां छत्तीसगढ़ भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के नामांकन पर सहभागिता कर रहा था।

यह महत्वपूर्ण निवेश प्रतिबद्धता सिंगापुर मुख्यालय वाली एनर्जी कैपिटल ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आई है, जो छत्तीसगढ़ में 100 मेगावाट क्षमता का एआई-रेडी डेटा सेंटर कैंपस स्थापित करेगी। एनर्जी कैपिटल ग्लोबल एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ऑन-साइट स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े



एआई-रेडी डेटा सेंटर्स का विकास और वित्तपोषण करती है तथा इसकी उपस्थिति सिंगापुर, भारत, मलेशिया, कजाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया में है। मुख्यमंत्री ने फोरम में कंपनी को 'इनिवेशन टू इन्वेस्ट' सौंपा।

यह निवेश प्रतिबद्धता छत्तीसगढ़ में डिजिटल क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों को और गति देती है। राज्य में पहले से ही भारत का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित है। ये परियोजनाएं

मिलकर छत्तीसगढ़ को भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। एनर्जी कैपिटल ग्लोबल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टानिस्लाव बोरिसोव ने कहा, 'एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जिस ऊर्जा, भूमि और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है, वह आज छत्तीसगढ़ में उपलब्ध है। यह एमओयू एक दीर्घकालिक साझेदारी की शुरुआत है।

हम मध्य भारत में सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर कैंपस विकसित करने, राज्य में अंतरराष्ट्रीय पूंजी और विशेषज्ञता लाने तथा इसके संचालन के लिए छत्तीसगढ़ के इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ने को लेकर उत्साहित हैं।

राज्य को सनस्ट्रीम ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से सोलर क्षेत्र के साथ-साथ संबंधित बैटरी स्टोरेज और कंपोनेंट्स के लिए रू.1,500 करोड़ का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्रस्ताव भी प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये निवेश प्रतिबद्धताएं छत्तीसगढ़ की नीतियों, संभावनाओं और लोगों के प्रति विश्वास का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे और छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य के और करीब ले जाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी के साथ एक फायरसाइड चैट में भी हिस्सा लिया, जिसका संचालन सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा किया गया।

कोरबा में महुआ-शराब पीने से 3-साल के बच्चे की मौत

खेलते समय बोतल से शराब पी गया, अंबिकापुर मेडिकल-कॉलेज में 5 दिन बाद तोड़ा दम सरगुजा/कोरबा।

कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र में घर में रखी महुआ शराब पीने से 3 साल के बच्चे की मौत हो गई। दुलापुर काशिमुड़ा निवासी शिवलाल का बेटा मनीष खेलते समय प्लास्टिक की बोतल में रखी शराब पी गया। कुछ देर बाद उसे उल्टियां होने लगीं। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां 5 दिन बाद इलाज के दौरान सोमवार को मनीष की मौत हो गई।

खेलते समय बोतल से पी शराब

घटना 29 सितंबर को शाम करीब 4 बजे की है। कोरबा जिले में शिवलाल काम से बाहर गया था और उसका तीन साल का बेटा मनीष घर में खेल रहा था। परिजनों के मुताबिक, इसी दौरान उसने घर में रखी महुआ शराब पी ली। कुछ देर बाद बच्चे को उल्टियां होने लगीं। मां फूलकुंवर ने जांच की तो शराब की बोतल खुली मिली। उन्होंने पति को इसकी जानकारी दी। शाम करीब 7 बजे शिवलाल घर पहुंचा तो उस समय बच्चे की हालत ठीक थी।

खड़गवां से चिरमिरी, फिर अंबिकापुर रेफर

30 सितंबर को मनीष की तबीयत बिगड़ने



पर परिजन उसे एमसीबी जिले के खड़गवां अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से उसे चिरमिरी अस्पताल रेफर किया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान सोमवार को मनीष की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन सदमे में हैं।

बालोद में पुलिसकर्मी की बेटी पर एसिड अटैक

बालोद (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिसकर्मी की बेटी पर एसिड अटैक हुआ है। 22 साल की छात्रा आमापारा लाइब्रेरी से पढ़ाई कर घर लौट रही थी,



हिस्सा और आंख-चेहरा बुरी तरह झुलस

लाइब्रेरी से लौट रही थी, शरीर का दाहिना हिस्सा और आंख-चेहरा झुलसा, रायपुर रेफर

गया है। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया है। आरोपी युवक CCTV में भागते हुए नजर आया है। घटना बालोद थाना इलाके के आमापारा आत्मानंद स्कूल के सामने की है। पुलिस जांच में जुटी।



पंचायत सदस्य श्रीमती सुमिता अनंत, कुलसिंह कंवर, श्रीमती प्रतिमा सोनवानी, किशन साव, उपसरपंच श्रीमती पदमा कौशिक, शिक्षक पालक संघ के अध्यक्ष गजेन्द्र वैष्णव अन्य जनप्रतिनिधि, पालक और शिक्षक शामिल हुए।

नाटक में विद्यालय के 40 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के कुल 946 विद्यार्थियों की गरिमाययी उपस्थिति रही। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने अतिथियों, पालकों और दर्शकों को प्रभावित किया। उपस्थितजनों ने बच्चों के प्रयास



हॉकी में पाक से गले मिला भारत

दिव्य आकाश

ॐ देवताभ्यः पितृभ्यः महायोगिभ्य एव च। नमः स्वधाये स्वाहाये नित्यमेव नमो नमः

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 02 से 08 अक्टूबर 2026

— सुविचार —
जीवन में सकारात्मक
सोच रखो,
हर मुश्किल
आसान लगने लगेगी।



शिवाय हास्पिटल में यूरोलॉजिस्ट डॉ. वैभव कांत की सेवाएं प्रारंभ

किडनी और पेशाब से जुड़ी बीमारियों के ईलाज के लिए मरीजों को अब नहीं जाना पड़ेगा बाहर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में लगातार विस्तार कर रहा शिवाय हॉस्पिटल अब यूरोलॉजी से जुड़ी समस्याओं के उपचार के लिए भी विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। अस्पताल में डॉ. वैभव कांत बदरिया, MBBS, MS, MCh, Consultant Urologist की सेवाएं उपलब्ध होने की जानकारी अस्पताल के परिचय पत्र में दी गई है।

किडनी, पेशाब की नली और पुरुषों से जुड़ी यूरोलॉजी संबंधी समस्याएं ऐसी परेशानियां हैं, जिनके कारण मरीज और उनके परिवार को लंबे समय तक इलाज और विशेषज्ञ सलाह की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध होना मरीजों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

इलाज के लिए अब हर बार बाहर जाने की मजबूरी कम होने की उम्मीद

कोरबा जैसे औद्योगिक शहर में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता मरीजों के लिए बड़ी राहत बन सकती है। यूरोलॉजी से जुड़ी समस्या होने पर कई परिवारों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। शिवाय हॉस्पिटल में डॉ. वैभव कांत बदरिया की योग्यता MBBS, MS और MCh है और वे Consultant Urologist के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। शिवाय हॉस्पिटल की स्वास्थ्य सेवाओं में एक और कड़ी

न्यू बस स्टैंड, लालूराम कॉलोनी, कोरबा स्थित शिवाय हॉस्पिटल पहले से ही विभिन्न चिकित्सा सेवाओं के लिए मरीजों के बीच अपनी उपस्थिति बना रहा है। अब यूरोलॉजी विशेषज्ञ की उपलब्धता अस्पताल की विशेषज्ञ सेवाओं में एक और महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आई है।

लखनऊ में 40 हजार घरों में पानी घुसा:बिहार के 466 गांवों में बाढ़, एमपी में 7 से बारिश का अनुमान, राजस्थान में पारा 41°C पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में 9 दिनों से बारिश नहीं हुई, लेकिन बांधों से छोड़े गए पानी के कारण 11 जिलों में 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। लखनऊ के 40 हजार घरों में गोमती नदी का पानी घुस गया। 10 हजार लोग सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं। गलियों में नाव चल रही हैं। गोमती रिवर फ्रंट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

बिहार में 6 जिलों के करीब 466 गांवों में बाढ़ हैं। करीब 8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। 92,730 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। सारण में सबसे ज्यादा 3.55 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और 44 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।



मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद दिन में गर्मी और रात में ठंड बढ़ गई है। पिछले 3 दिनों में रात का तापमान 4°C तक गिरा है। अमरकंटक में तापमान 16°C और इंदौर में 18°C

पहुंच गया। 7 से 9 अक्टूबर के बीच 14 शहरों में बारिश का अनुमान बताया है।

राजस्थान में भी मानसून की विदाई के बाद गर्मी बढ़ गई है। रविवार को पिलानी में तापमान

41°C दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा रहा। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में दिन के समय तेज गर्मी रही।

महाराष्ट्र सरकार ने कम बारिश के कारण राज्य के सभी शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों में 16 अक्टूबर से कम से कम 10 प्रतिशत पानी की कटौती लागू करने का फैसला किया है।

राजस्थान: जैसलमेर, चूरू में पारा सामान्य से 3°C ज्यादा, गर्मी बरकरार

राजस्थान में मानसून की विदाई के बाद से गर्मी बढ़ गई है। रविवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान पिलानी (झुंझुनू) में 41 डिग्री सेल्सियस रहा। जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री तक ऊपर दर्ज हुआ। इन पश्चिमी जिलों में दिन में तेज गर्मी रही।

राजस्थान में मानसून की विदाई के बाद से गर्मी बढ़ गई है। रविवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान पिलानी (झुंझुनू) में 41 डिग्री सेल्सियस रहा। जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री तक ऊपर दर्ज हुआ। इन पश्चिमी जिलों में दिन में तेज गर्मी रही।

राजस्थान में मानसून की विदाई के बाद से गर्मी बढ़ गई है। रविवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान पिलानी (झुंझुनू) में 41 डिग्री सेल्सियस रहा। जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री तक ऊपर दर्ज हुआ। इन पश्चिमी जिलों में दिन में तेज गर्मी रही।

राजस्थान में मानसून की विदाई के बाद से गर्मी बढ़ गई है। रविवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान पिलानी (झुंझुनू) में 41 डिग्री सेल्सियस रहा। जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री तक ऊपर दर्ज हुआ। इन पश्चिमी जिलों में दिन में तेज गर्मी रही।

लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल द्वारा निःशुल्क मधुमेह जाँच शिविर का आयोजन



कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

रविवार को एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा में लायंस सेवा सप्ताह के तीसरे दिन लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में बच्चों एवं ग्रामवासियों के लिए निःशुल्क

मधुमेह जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम उपस्थित चिकित्सक टीम का स्वागत क्लब अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल द्वारा किया गया। तत्पश्चात् चिकित्सकों एवं उनकी टीम द्वारा ग्रामीण अंचलों में रह रहे बच्चों एवं

उपस्थित ग्रामवासियों के मधुमेह की जाँच की गई। जाँच के दौरान चिकित्सकों द्वारा मधुमेह रोग से संबंधित रोकथाम एवं उपचार की जानकारी देते हुये आवश्यक दवाईयाँ दी गई। उक्त शिविर में लगभग 437 लोग

लाभान्वित हुये। उक्त निःशुल्क मधुमेह जाँच शिविर में क्लब मार्गदर्शक पीएमजेएफ लायन डा.राजकुमार अग्रवाल, स्कूल की चैयरमेन लायन खुशबू अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल, क्लब सचिव लायन सुरेन्द्र कुमार डनसेना, लायन सुभाषचंद

अनंत, लायन पार्वती दास सहित अन्य लायन सदस्य भी उपस्थित थे।



सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, केंद्र,CEC को नोटिस भेजा

CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने याचिका पर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, CEC ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग और DG (IT) सीमा खन्ना को नोटिस जारी किया और 4 हफ्ते में जवाब मांगा।

अवधि में वही फॉर्म इस्तेमाल किए जाएंगे, जो मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के तहत तय हैं।

अखबार की खबर के आधार पर आदेश नहीं दे सकते

CJI सूर्यकांत ने कहा कि कोई खबर 100% सही, आंशिक रूप से सही या गलत हो सकती है। इसलिए सिर्फ मीडिया रिपोर्ट के आधार पर CEC को सस्पेंड करने का अंतरिम आदेश नहीं दिया जा सकता। पहले चुनाव आयोग का जवाब और रिकॉर्ड देखना होगा।

फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से होने चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से लिए जाने चाहिए। यानी तीन सदस्यीय आयोग में किसी एक सदस्य का अकेले फैसला पूरे आयोग का फैसला नहीं माना जा सकता।

अभी यह नहीं मान सकते कि सारे फैसले CEC ने अकेले लिए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहले रिकॉर्ड देखना होगा। सिर्फ आरोप के आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि सभी फैसले CEC

ने अकेले लिए थे।

रिकॉर्ड से एकतरफा फैसला साबित हुआ तो कार्रवाई संभव

सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि अगर रिकॉर्ड से पता चलता है कि कोई फैसला जरूरी प्रक्रिया के बिना लिया गया था, तो उस पर रोक लगाने पर विचार किया जा सकता है।

SIR के खिलाफ 2 PIL दाखिल

SIR के खिलाफ 2 PIL दाखिल की गई हैं। राकेश कुमार सिंह ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने की मांग वाली याचिका दाखिल की थी। इनकी दलीलें एडवोकेट विकास सिंह ने रखीं। वहीं दूसरी याचिका शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने लगाई। इनकी ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी पेश हुईं। सुप्रीम कोर्ट CEC को सस्पेंड नहीं कर सकता

संविधान में सुप्रीम कोर्ट को CEC को

सस्पेंड करने की कोई स्पष्ट या विशेष शक्ति नहीं दी गई है। आर्टिकल 324 के तहत चुनाव कराने और उसकी निगरानी की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है, लेकिन आयोग के फैसलों की कोर्ट में जांच हो सकती है। अगर कोई फैसला कानून या संविधान के खिलाफ पाया जाता है, तो सुप्रीम कोर्ट उस पर रोक लगा सकता है या उसे रद्द कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ ज्ञानेश कुमार पर विवाद

इस पूरे मामले की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से हुई थी, जिसमें SIR को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच मतभेदों का जिक्र था।

रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव पैनल के भीतर SIR प्रक्रिया को लेकर बार-बार चिंता जताई थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-अपराधियों में मौत का डर पैदा करना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR की 3 घटनाओं पर कहा, जब तक अपराधी के मन में मौत का डर नहीं होगा, तब तक ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि केवल चीजों को कागज पर लिखना पर्याप्त नहीं है, सख्त कार्रवाई करनी होगी। जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सख्त होने से हिचकिचाएं नहीं।

बेंच ने कहा कि कुछ लोग अनुच्छेद 21 यानी मानव अधिकार का हवाला देकर सवाल उठाएंगे, लेकिन पुलिस को अपना कर्तव्य निभाना होगा। इसके बाद दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में 4 अगस्त से 21 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा-दिल्ली बस, आस्था कुंज पार्क और स्वरूप नगर में रेप की 3 घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था। इस मामले में पहली सुनवाई 28 सितंबर को हुई थी।

ममता बनर्जी का तीन अस्पतालों को कानूनी नोटिस:पूछ- मेरी मेडिकल रिपोर्ट शूभेंद्र अधिकारी तक कैसे पहुंची, 2021 में व्हीलचेयर पर बैठकर प्रचार किया था

कोलकाता, एजेंसी।



2021 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पैर में फ्रैक्चर का दावा करने वाली ममता बनर्जी ने सोमवार को 3 अस्पतालों को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने पूछा है कि उनके इलाज से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शूभेंद्र अधिकारी तक कैसे पहुंचे। यह मामला तब सामने आया है, जब शूभेंद्र ने 3 अक्टूबर को आरोप लगाया कि ममता ने 2021 के चुनाव के दौरान अपनी चोट को लेकर गलत दावे किए थे। उन्होंने कहा कि वे इस मामले की जांच कराएंगे। दरअसल, 10 मार्च 2021 को नंदीग्राम में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता घायल हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 4-5 लोगों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे कार का दरवाजा उनके पैर से टकराया और उनका पैर फ्रैक्चर हो गया था। इसके बाद उनके पैर में प्लास्टर लगाया गया और उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार किया था।

एसआईआर के खिलाफ जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को प्रदर्शन

सीजेपी नेताओं का दावा-सरकार हमें अरेस्ट करने की तैयारी में, अभिजीत दीपके बोले- डरेंगे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

काँकरोच जनता पार्टी ने दावा किया कि सरकार 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले अभिजीत दीपके, सीरव दास, श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर में आशुतोष, रत्ना और अन्य सीजेपी नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है।

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने लिखा- अमित शाह आखिर कितने लोगों को गिरफ्तार करोगे। प्रदर्शन में पूरा देश आ रहा है। सरकार को लगता है कि UAPA, NSA या जेल की सजा से हम डर जाएंगे, तो ऐसा नहीं होगा। जरूरत पड़ी तो सालों तक जेल में भी रहेंगे।

CJP ने चुनाव आयोग के स्पेशल

इंटेसिव रिवीजन (SIR) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया है। दिल्ली में पिछले 3 दिनों में लेफ्ट, AAP और छात्र संगठन ने प्रदर्शन किया। वहीं मुंबई में 2 और 4 अक्टूबर को CJP, MNS और शिवसेना ने मार्च निकाला।

सरोकार

आकाश का हीरो

कभी-कभी बहादुरी सिर्फ वर्दी में ही नहीं दिखती बल्कि राष्ट्रप्रेम और मानवता का जज्बा हो तो लहुलुहान शरीर में भी अडिग संकल्प दिखता है। स्मित मच्छार ने वह कर दिखाया, जो मानवता के लिए एक प्रेरणा बन गया, वाकई में स्मित मच्छार जहां आकाश का हीरो है, वहीं मानवता का महानायक भी है। 30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाईट एफजेड 1073 में जो हुआ वह किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं था। यहां का असली हीरो स्मित मच्छार साबित हुआ और उनकी बहादुरी की प्रशंसा देश-दुनिया में हो रही है। कॉकपिट के अंदर ही सह-पायलट, ओमान का हमांम अल हमामी ने विमान को क्रेश कराने की साजिश रची और भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से जान लेवा हमला कर दिया। विमान 30 सेकंड में 14 हजार फीट नीचे गिरने लगा। 174 यात्री, जिसमें 27 मासूम बच्चे भी थे, मौत के मूंह में थे, लेकिन मुंबई के 39 वर्षीय कैप्टन स्मित ने लहलुहान हालत में भी हार नहीं मानी और जमीन पर घायलावस्था में भी खुद से वादा किया-जैसा उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा-मैं दूसरों को मरने नहीं दूंगा और आखिरी ताकत बटोर कर उन्होंने कॉकपिट का हार्ड-सिस्चुरिटी दरवाजा अंदर से खोल दिया। दरवाजा खुलते ही ईजरायली यात्रियों और ऑफ ड्यूटी पायलटों ने हमलावर को दबोचा और विमान को सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा। यह सिर्फ एक पायलट की ड्यूटी नहीं थी, यह मानवता की रक्षा थी। आज पूरी दुनिया स्मित के साहस को सलाम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें सच्चा हीरो बताया, तो इजराइल के पीएम नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने उनकी जमकर तारीफ की। दुबई के क्राउन प्रिंस खुद उनसे मिलने पहुंचे। वायु सेना प्रमुख ने कहा-यह हम सबके लिए सबक है। मैनकाईड फार्मा ने उन्हें एक करोड़ का इनाम दिया। पायलटों की फेडरेशन बहादुरी पुरस्कार की मांग कर रही है, पर असली इनाम तो 174 जिंदगियां हैं, जो स्मित के कारण सुरक्षित हैं। स्मित के अनुसार हनुमान चालीसा ने उन्हें कवच दिया और वे यह कर पाए।

-संपादक

समय

समय सबसे बड़ा बलवान है। समय का सम्मान करोगे तो समय तुम्हारा ख्याल रखेगा। समय की खासियत - यह वापस नहीं आता।



एआई जनरेटेड



डॉ गजेन्द्र तिवारी
सिक्वाविद
पाटी छिता कोरबा
मो.: 94241 50282

सुंदर थों ही देखतें
औसर बिल्यौ जाइ।
अंजुरी मंहि नीर ज्यौं,
किती बार ठहराइ।

हम अक्सर सोचते हैं, कि हम पैसे के बल पर सब कुछ खरीद लेंगे, लेकिन समय आने पर यह पैसा कुछ काम नहीं आता, इसलिए जिंदगी में पैसे का घमंड कभी मत करना। हम भ्रांति होती है कि पैसा बलवान है, ताकत बलवान है, बुद्धि बलवान है, लेकिन इतिहास के पन्नों को खोलकर देखिए, कि इन सबसे ऊपर समय है, जो सबसे बलवान है। इतिहास ने हमें एक बात जरूर सिखाई, कि अंत में सबको समय के सामने झुकना ही पड़ता है।

राजा हो या रंक, समय के सामने सबकी एक सी स्थिति होती है। बड़े-बड़े साम्राज्य, जो कभी अजेय लगता था, आज इतिहास के पन्ने बन गए। बड़े-बड़े महल खण्डहर हो गए और समय ने सबका घमंड चकनाचूर कर दिया।

समय का पहिया हमेशा घूमता रहता है। आज जो ऊंचाई पर है, कभी नीचे भी आ जाता है और जो आज नीचे है, कल उसके लिए उम्मीद भी है।

समय में समस्या है, तो समय में निदान भी है, बस समय को अपने नजरिए से देखने के लिए दृष्टि चाहिए। समय किसी का इंतजार नहीं करता, पर वह हर किसी को मौका अवश्य देता है। जो समय को पहचान लेता है, समय उसको समाज में पहचान दिलाता है और जो समय का सम्मान नहीं करता, वह गुमानान जिंदगी के साथ अंत हो जाता है।

कबीर जी ने ठीक ही कहा है-
काल करे सो आज कर,
आज करे सो अब।
पल में परलय होएगी,
बहुरि करेगा कल।

समय सबसे बड़ा बलवान है, वह सबसे बड़ा न्यायाधीश भी है। समय जब अपना फैसला सुनाता है, तब वह न तो गवाह मांगता है, न सबूत, सिर्फ वह अपना फैसला सुनाता है, इसलिए समय से लड़ो मत, समय के साथ चलो। घमंड में समय को

पर्यटन

दंगल से जब वी मेट तक पंजाब के इन मशहूर Shooting Locations की करें सैर



पंजाब सिर्फ अपने स्वादिष्ट खाने, मेहमानवाजी और संस्कृति के लिए ही नहीं जाना जाता है। बल्कि यहां पर कई ऐसी खूबसूरत और ऐतिहासिक जगहें भी हैं, जोकि बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। कभी बॉलीवुड के सितारे इन खेतों में रोमांस करते दिखे, तो कभी पुरानी हवेलियों और किलों में फिल्मों की कहानी को और भी ज्यादा खूबसूरत बनाया। यही कारण है कि फिल्मी लोकेशन पसंद करने वाले लोगों के लिए पंजाब की कुछ जगहें किसी ड्रीम डेस्टिनेशन से कम नहीं हैं। ऐसे में अगर आप भी पंजाब घूमने का प्लान कर रही हैं, तो हम आपको पंजाब की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पटियाला

पंजाब का पटियाला शहर अपने ऐतिहासिक महलों, इमारतों और खूबसूरत गलियों के लिए जाना जाता है। फिल्म ‘जब वी मेट’ और ‘बॉडीगार्ड’ में शहर की शाही वास्तुकला देखने को मिलती है। ऐसे में आप भी अपने पार्टनर के साथ पटियाला घूमने के लिए जा सकती हैं।

अमृतसर

अमृतसर, पंजाब के सबसे फेमस जगहों में से एक है। यहां पर स्वर्ण मंदिर यानी की गोलडन टेंपल से लेकर पुरानी गलियों तक हर एक कोना अलग है। तापसी पन्नू की फिल्म ‘मनमर्जिया’ में पंजाब के अमृतसर

पंजाब अपनी संस्कृति के साथ बॉलीवुड फिल्मों की खूबसूरत शूटिंग लोकेशन्स के लिए भी मशहूर है। पटियाला, अमृतसर और लुधियाना से लेकर गुज्जरवाल गांव और मोहाली तक कई जगहों पर जब वी मेट, बॉडीगार्ड, दंगल और रब ने बना दी जोड़ी जैसी फिल्मों की शूटिंग हुई है। पर्यटक इन खूबसूरत डेस्टिनेशन्स का दीदार कर सकते हैं।

अशोक सिंहल ने देखा था उत्कर्ष भारत का सपना

आलेख: नरेन्द्र दामोदर भाई मोदी
प्रधानमंत्री-भारत सरकार

यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक सिंहल जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हाथ से लिखा एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में आने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंहल जी से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था।

मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे, कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंहल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया।

राम मंदिर के काम में लगे रहे

राम जन्मभूमि आंदोलन में श्री अशोक सिंहल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते।

स्वर्गीय अशोक सिंहल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा।



उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले श्री कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सांप्रदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया।

अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर

की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे ‘एकल गीत’ गाया करते थे। उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नई ऊर्जा भर जाती थी। वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने ‘हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी’ गाकर सभी को चौंका दिया था।

स्वर्गीय अशोक सिंहल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए अशोक सिंहल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

एलआईसी का
जीवन
उत्सव



Plan No.: 871

UIN: 512N363V01

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका



आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ



ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...



सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े

(बीमा अभिकर्ता)

वेदांत बीमा सेवा केंद्र

कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
कोरबा, मो.नं.-90987-52955



LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हम पल आपके साथ

दिशा प्रोजेक्ट के अंतर्गत अतिथि शिक्षकों की भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू 10 अक्टूबर को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कोरबा द्वारा दिशा प्रोजेक्ट के अंतर्गत अतिथि शिक्षकों के अस्थायी नियोजन के लिए 10 अक्टूबर 2026 को वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, गणित, हिंदी और अंग्रेजी विषयों में एक-एक अतिथि शिक्षक का चयन किया जाएगा। इंटरव्यू के लिए पंजीयन सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। दोपहर 12 बजे के बाद साक्षात्कार लिया जाएगा। आयोजन स्थल एसईसीबी, कोरबा स्थित हिंदी माध्यम विद्यालय निर्धारित है। संबंधित विषय में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ

स्नातकोत्तर, बी.एड. तथा विद्यालय में पीजीटी के रूप में कम से कम 7 वर्ष का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयन दस्तावेज सत्यापन, शैक्षणिक एवं अनुभव के अंकों, डेमो अध्यापन और संरचित साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। चयनित अतिथि शिक्षक को शर्तों के अधीन अधिकतम 10 माह तक रु. 35,000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को मूल प्रमाण-पत्र, स्वप्रमाणित प्रतियां, फोटो, पहचान-पत्र और निर्धारित आवेदन प्रारूप साथ लाना होगा। विस्तृत दिशा-निर्देश और आवेदन प्रारूप korba.gov.in वेबसाइट तथा कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध हैं। किसी भी स्तर पर अपात्रता या गलत जानकारी मिलने पर अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकती है।



जाति जनगणना और प्रत्येक जाति के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक कोड तथा वैज्ञानिक वर्गीकरण सुनिश्चित करने राष्ट्रपति के नाम ओबीसी कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी वर्ग के जिला अध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू (शहर) राजेश श्रीवास (ग्रामीण) तथा प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामसुंदर सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी शहर के जिलाध्यक्ष मुकेश राठौर, ग्रामीण जिलाध्यक्ष मनोज चौहान के नेतृत्व में एक रैली निकाली गई तथा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपति से मांग की है कि जनगणना जाति के आधार पर की जाए और प्रत्येक जाति के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक कोड, वैज्ञानिक वर्गीकरण सुनिश्चित किया जाए। जिला कांग्रेस कमेटी शहर के जिलाध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू ने बताया कि ओबीसी कांग्रेस द्वारा रैली निकाली गई और राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मांग की गई है कि जनगणना जाति के आधार पर सुनिश्चित की जाए और वैज्ञानिक, प्रमाणित एवं नीतिनिर्माण में उपयोगी जाति जनगणना हेतु ओबीसी श्रेणी मानकीकृत जाति सूची, प्रत्येक जाति के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक कोड तथा वैज्ञानिक वर्गीकरण सुनिश्चित करने की मांग की गई है। ज्ञापन में लिखा गया है कि अगामी जनगणना में जातियों की गणना की पद्धति से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए ज्ञापन प्रस्तुत किया जा रहा है। जाति जनगणना सामाजिक न्याय का ऐतिहासिक माध्यम तभी बन सकती है, जब देश की प्रत्येक जाति एवं समुदाय को सही, वैज्ञानिक और एकरूप गणना हो। केवल किसी व्यक्ति से उसकी जाति पूछ लेना पर्याप्त नहीं है। यह भी सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि एक ही प्रमाणित जाति के अलग-अलग



नाम, पर्यायवाची नाम, क्षेत्रीय नाम तथा उच्चारण एवं वर्तनी के अंतर के कारण उसे अनेक अलग-अलग जातियों के रूप में दर्ज न कर दिया जाए। समस्या: एक जाति-अनेक नाम भारत की सामाजिक संरचना अत्यंत विविध है। एक ही जाति अथवा समुदाय को अलग-अलग राज्यों, क्षेत्रों और भाषाओं में अलग-अलग नामों, उपनामों, परंपरागत व्यवसाय-सुचक नामों तथा वर्तनी से जाना जा सकता है। ज्ञापन में कहा गया है केन्द्र एवं राज्य सरकारों की आधिकारिक सूचियों तथा अन्य प्रमाणित अभिलेखों के आधार पर प्रत्येक राज्य एवं केन्द्र

शासित प्रदेश के लिए वैज्ञानिक कास्ट मास्टर लिस्ट तैयार की जाए। किसी भी दो नामों को केवल समानता के अधार पर स्वतः एक जाति न मानी जाए। उनका एकीकरण आधिकारिक दस्तावेजों, ऐतिहासिक एवं मानव शास्त्रीय प्रमाणों एवं विशेषज्ञों की समीक्षा के बाद ही किया जाए। जाति जनगणना की अंतिम पद्धति तय करने से पहले एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित की जाए। इसके अलावा ज्ञापन में कई विषयों पर राष्ट्रपति का ध्यान आकृष्ट किया गया है।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने मंत्री लखन लाल देवांगन का जताया आभार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

गत मार्च में दो दिवसीय छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि कोरबा विधायक एवं मंत्री लखन लाल देवांगन अखबार वितरक संघ के भवन विस्तार के लिए अपने मद से रूपए 10.00 लाख रूपए की घोषणा की थी, जिसकी स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। 10 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान करने के लिए संघ ने मंत्री लखन लाल देवांगन का कोटि-कोटि आभार व्यक्त किया। संघ के सदस्य आज उनके निज निवास पहुंच कर अभिनंदन किया और अधिवेशन का फोटो फ्रेम सप्रेम भेंट किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री श्री देवांगन का अभिनंदन करने



वालों में प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, संरक्षक रेशम साहू, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय कुमार नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, मीडिया प्रभारी रामायण सिंह (रामा), अनिल गिरी, राय सिंह, दिलीप यादव, राकेश साहू, रविंदर, दीपक , कृष्णा निर्मलकर, विजय देवांगन , बजरंग यादव, दिलबाग, रंजीत पटेल, फिरत यादव ,हर्ष नेताम ,पप्पू ,श्याम,

लकी,निखिल ,अर्जुन , ओमकार ,चंद्र दादू पटेल, कुनाल, रमेश, कृष्ण सारथी, शिवम, असलम, नरेश कंवर, रवि, मुकेश कुमार, अमन, राहुल देवांगन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। मंत्री लखन लाल देवांगन ने सभी का अभिवादन किया और आगे भी सबसे गरीब वर्ग में आने वाले अखबार वितरकों की समृद्धि के लिए सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

लायन्स क्लब की पहचान उसकी सेवा भावना और समाज के प्रति जिम्मेदारी से है-पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल

कावेरी रेस्टोरेंट में आयोजित हुआ गरिमामय समारोह, सेवा कार्यों को गति देने पर जोर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

द इंटरनेशनल एसोशिएशन ऑफ लॉयन्स क्लब डि.3233 सी के अंतर्गत रीजन 9 के रीजन चेयरमैन एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल एवं जोन चेयरपर्सन जोन 25 मनोज गुप्ता एवं जोन चेयरपर्सन जोन 26 शिव जायसवाल की संयुक्त बैठक का आयोजन 26 सितंबर को कावेरी रेस्टोरेंट कोरबा में गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर लॉयन्स क्लब कोरबा एवरेस्ट के नवीन पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मल्टीपल काउंसिल वाइस चेयरमैन पीएमजेएफ डॉ. ला. राजकुमार अग्रवाल रहे,जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ एम.डी. माखीजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रीजन चेयरपर्सन पवन अग्रवाल ने की मंच पर रीजन पीआरओ व शपथ अधिकारी अजय धनोदिया, जोन चेयरपर्सन मनोज गुप्ता एवं शिव जायसवाल तथा रीजन सलाहकार कैलाशनाथ गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों द्वारा लॉयन्स क्लब के संस्थापक मेलविन जोन्स के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात शपथ अधिकारी एवं रीजन

रीजन एवं जोन मिट में क्लब गतिविधियों की समीक्षा



पीआरओ अजय धनोदिया ने लॉयन्स क्लब कोरबा एवरेस्ट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को क्रमवार शपथ दिलाई। नवीन पदाधिकारियों ने लॉयन्स क्लब के सेवा कार्यों, संगठन की गरिमा एवं सामाजिक दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का संकल्प लिया। शपथग्रहण के उपरान्त आयोजित संयुक्त रीजन एवं जोन मिट में रीजन चेयरपर्सन पवन अग्रवाल ने संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने जोन चेयरपर्सन मनोज गुप्ता एवं शिव जायसवाल से उनके जोन के अंतर्गत आने वाले सभी क्लबों की गतिविधियों एवं कार्ययोजनाओं की क्रमवार जायसवाल तथा रीजन सलाहकार कैलाशनाथ गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों द्वारा लॉयन्स क्लब के संस्थापक मेलविन जोन्स के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात शपथ अधिकारी एवं रीजन

गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने, सेवा कार्यों का विस्तार करने तथा सभी क्लबों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने लॉयन्स क्लब के सेवा संकल्प को समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पीएमजेएफ डॉ. ला. राजकुमार अग्रवाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लॉयन्स क्लब की पहचान उसकी सेवा भावना और समाज के प्रति जिम्मेदारी से है। उन्होंने पदाधिकारियों से संगठन की विभिन्न क्लबों के अध्यक्षों ने अपने-अपने क्लब के द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों, सामाजिक गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों के साथ क्लब की स्थाई गतिविधियों की जानकारी रीजन चेयरपर्सन के समक्ष साझा की। इस अवसर पर क्लब

एम.डी. माखीजा ने भी नवीन पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठनात्मक एकजुटता एवं सेवा गतिविधियों को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि क्लब के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी से ही सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रीजन चेयरपर्सन पवन अग्रवाल ने सभी क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रीजन के सभी क्लब आपसी समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करें तथा सेवा गतिविधियों को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने सभी क्लबों की गतिविधियों की जानकारी लेते हुए आगामी कार्यों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। कार्यक्रम के अंत में रीजन चेयरपर्सन पवन अग्रवाल द्वारा मंचस्थ सभी अतिथियों को स्मृतिचिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवीन पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल-अध्यक्ष लॉयन्स क्लब कटघोरा खुर्ची,डॉ नागेंद्र नारायण शर्मा अध्यक्ष कोरबा एवरेस्ट,दर्शन अग्रवाल-अध्यक्ष, लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल, राकेश पाण्डेय,नरेंद्र अग्रवाल,पार्वतीदास,राजा मोदी,सुनील जायसवाल सहित विभिन्न लॉयन्स क्लब से जुड़े पदाधिकारी,अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के सदस्यों ने परिवार सहित चित्रा मल्टीप्लेक्स में निःशुल्क देखी हनुमान अंश मूर्वी



चित्रा मल्टीप्लेक्स के संचालक गोपाल मोदी का जताया आभार कोरबा (दिव्य आकाश)। नीब करौरी बाबा की बायोपिक और साल की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट फिल्म हनुमान अंश का जादू अब सभी वर्ग पर चल रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के सदस्यों ने परिवार सहित चित्रा मल्टीप्लेक्स पहुंचकर मूवी हनुमान अंश देखी। चित्रा मल्टीप्लेक्स के संचालक एवं भाजपा नेता गोपाल मोदी ने प्रेस क्लब के सदस्यों के बाद अखबार वितरकों के लिए निःशुल्क शो रखा था और निःशुल्क हनुमान अंश देखकर अखबार वितरक एवं उनका परिवार काफी प्रसन्न हुए। यहाँ यह बताया लाजिमी होगा कि महज 02 करोड़ के बजट में बनी हनुमान अंश ने बाक्स ऑफिस पर 400 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया। फिल्म फूयू संत नीम करौरी बाबा के जीवन पर आधारित है, जिन्हें भक्त महाराज जी के नाम से पूजते हैं। विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक दुखी युवक की आध्यात्मिक यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। फिल्म देकर अखबार वितरकों एवं उनके परिवारों ने कहा-हनुमान अंश मात्र फिल्म ही नहीं बल्कि आस्था, सेवा और जीवन के सत्य को समझाने वाली प्रेरणा है। हर रोज सुबह-सुबह लोगों तक खबरें पहुंचाने वाले वितरकों के चेहरे पर फिल्म देखकर सुकून और उत्साह देखा गया। गोपाल मोदी का जताया आभार छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की जिला इकाई के अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू ने सभी सदस्यों की ओर से चित्रा मल्टीप्लेक्स के संचालक एवं जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी का हृदय से आभार जताया और कहा कि श्री मोदी भाजपा के विचारों से ऐसे गढ़े और रंगें हैं कि वे अंतिम व्यक्ति की पूछ परख रखते हैं। उन्होंने निचले तबके में आने वाले अखबार वितरकों की सुध ली और हमें निःशुल्क हनुमान अंश देखने का अवसर प्रदान किया, यह बड़ी बात है... गोपाल मोदी जी का कोटि-कोटि धन्यवाद!

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल का सेवा सप्ताह प्रारंभ



कोरबा (दिव्य आकाश)। लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल का सेवा सप्ताह 02 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 08 अक्टूबर तक चलेगा। प्रथम दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर क्लब के सदस्यों ने प्रातः 10 बजे पुराना कोरबा स्थित गांधी चौक पहुंचकर लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में यहां स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और इसके साथ ही क्लब का सेवा सप्ताह प्रारंभ हो गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्लब मार्गदर्शक एवं पूर्व प्रान्तपाल पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल एवं क्लब अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल सहित लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर क्लब मार्गदर्शक एवं पूर्व प्रान्तपाल पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा, प्रेम, सद्भाव, स्वच्छता एवं राष्ट्रसेवा के आदर्शों को साझा किया और उनके जीवन को प्रेरणा मानकर प्रेम, सद्भाव एवं मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। क्लब अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष लायंस क्लब्स द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक लायंस सेवा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। क्लब द्वारा अलग अलग दिनों में विभिन्न प्रकार के सामाजिक सेवा कार्यों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल द्वारा भी लायंस सेवा सप्ताह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने राष्ट्रपिता के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में सत्य, अहिंसा, भाईचारे और सेवा की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

22 की उम्र में आसमान की उड़ान, कैप्टन शशांक राठौर ने रचा नया मुकाम

12वीं में कोरबा जिले के टॉपर रहे शशांक ने पूरा किया पायलट बनने का सपना, दिल्ली की रेडबर्ड फ्लाइट ट्रेनिंग अकादमी से हासिल किया प्रशिक्षण

भाजपा नेता लोचन प्रसाद राठौर के सुपुत्र हैं शशांक

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो सपनों को हकीकत में बदलने की कोई उम्र नहीं होती। कोरबा के काशी नगर निवासी भाजपा नेता लोचन प्रसाद राठौर के होनहार पुत्र शशांक राठौर ने महज 22 वर्ष की उम्र में पायलट बनकर इस बात को साबित कर दिया। कभी आसमान में विमान उड़ाने का सपना देखने वाले शशांक अब बतौर पायलट अपने करियर की नई उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। शशांक ने दिल्ली स्थित रेडबर्ड फ्लाइट ट्रेनिंग अकादमी से पायलट का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कम उम्र में हासिल की गई इस उपलब्धि को लेकर शशांक को लगातार बधाइयां मिल रही हैं। पढ़ाई में भी रहे अक्ल, 12वीं में किया था जिला टॉप शशांक राठौर की उपलब्धि केवल विमान क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वर्ष 2022 में उन्होंने कक्षा 12वीं में कोरबा जिले में टॉप



कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने पायलट बनने का लक्ष्य तय कर लिया था। इसके बाद उन्होंने अपने सपने को पूरा करने के लिए विमान क्षेत्र में प्रशिक्षण हासिल किया और आखिरकार 22 वर्ष की उम्र में पायलट बनने का गौरव हासिल किया। युवाओं के लिए प्रेरणा शशांक राठौर की यह उपलब्धि क्षेत्र के उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत करते हैं। 22 वर्ष की उम्र में पायलट बनने की उपलब्धि ने उनके परिवार के साथ-साथ कोरबा जिले को भी गौरवान्वित किया है और युवाओं के लिए संदेश दिया है कि अपना लक्ष्य इतना विशाल

एक परिवार दो बड़ी उपलब्धियां : भाई-बहन दोनों ने जिले का गौरव बढ़ाया

शशांक की सफलता के साथ उनके परिवार के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि जुड़ी है। उनकी बहन साक्षी राठौर का चयन छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर में जूनियर ज्युडिशियल असिस्टेंट के पद पर हुआ है। एक ही परिवार के दोनों बच्चों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में हासिल की गई सफलता से परिवार में उत्साह का माहौल है। दोनों भाई-बहन ने कोरबा जिला एवं मूल निवास बाराद्वार का गौरव बढ़ाया है। शशांक के पिता लोचन राठौर काशी नगर, कोरबा निवासी हैं, जबकि उनकी माता श्रीमती पार्वती राठौर का मायका ग्राम सरहर है। माता-पिता ने बच्चों की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके बच्चों की मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। बना दो कि बेकार के लिए वक्त ही न बचे। सपने देखो, लक्ष्य तय करो और उसे पूरा करने के लिए जी जान से मेहनत करो। संघर्ष, लगन, जज्बा एवं कड़ी मेहनत से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है।



लघु कथा: जलन

मुझे जलने से बहुत डर लगता है... आशीष से रूबी ने धीरे से कहा। देखो ना! मुझे रोज़ सपना आता है। मैं जल रही हूँ... मैं मरने के बाद भी जलना नहीं चाहती... उसकी आवाज़ कांप रही थी। आशीष ने उसके हाथ थामे। तुम इतनी डरती क्यों हो? रूबी ने अपने हाथ दिखाए। छोटे-छोटे जले के निशान। बचपन से... कभी रोटी बनाते हुए जल गई, कभी कुकर से... ये डर अब तक गया ही नहीं... कुछ पल खामोशी रही। सुनो ना... रूबी फिर बोली मरने के बाद मुझे मत जलाना... प्लोज़... आशीष मुस्कुराया– ठीक है, नहीं जलाएंगे। तो फिर क्या करोगे? रूबी ने मासूमियत से पूछा। आशीष ने एक कागज़ उसकी ओर बढ़ाया ये देखो! देहदान का फॉर्म है। रूबी चौंकी–देहदान! ‘हाँ,’ आशीष बोला–तुम्हें जलाया नहीं जाएगा... बल्कि तुम्हारे जाने के बाद भी तुम ज़िंदा रहोगी किसी की आँखों में, किसी की किडनी में, किसी के दिल में...। रूबी कुछ देर चुप रही। जलने से तो डरती हूँ... पर इससे नहीं डरूंगी... तो भरोगी ये फॉर्म! आशीष ने पृष्ठ। रूबी हल्के से मुस्कुराई, हाँ... कम से कम... मैं कहीं न कहीं ज़िंदा तो रहूँगी... उसने पेन उठाया और फॉर्म पर साइन कर दिया। **डॉ ॠचा यादव** बिलासपुर,छत्तीसगढ़



दीवार से टिकी बैसाखियाँ

रचना श्रीवास्तव

‘धीरे... सँभलकर!’ कहते हुए माँ ने उसका हाथ थाम लिया। ‘अरे माँ, छोड़ो भी,’ वह हल्का-सा मुस्कराया, ‘रोज़ जाता हूँ। अपना काम भी करता हूँ।’ माँ ने हाथ छोड़ दिया। वह घर से बाहर निकल गया। बैसाखियों की ठक-ठक गली में दूर तक सुनाई देती रही। दरवाज़े पर खड़ी माँ उसे तब तक देखती रही, जब तक वह मोड़ के पीछे ओझल नहीं हो गया। शाम ढली, तो गली बच्चों की आवाज़ों से भर गई। माँ आँगन में बैठी थी, पर उसका ध्यान उन आवाज़ों में नहीं था। वह किसी और आहट का इंतज़ार कर रही थी। कुछ देर बाद वही परिचित ठक-ठक सुनाई दी। माँ लगभग दौड़ती हुई बाहर आई। उसे देखते ही बेटा हँस पड़ा— ‘आज फिर लेने आ गई?’ माँ ने कोई उत्तर नहीं दिया। बस उसकी बैसाखियाँ पकड़ लीं और उसके कंधे पर हल्के से हाथ रख दिया। तभी पड़ोसन बोली, ‘बहन, अब तो इसे आदत हो गई है। तू भी इतनी चिंता मत किया कर।’ माँ ने बेटे की ओर देखा। वह सहारा लेकर चारपाई पर बैठ रहा था। धीरे से बोली, ‘चलने की आदत इसे पड़ गई है, परन्तु निश्चित होना मुझे नहीं आया। माँ बैसाखियाँ उठाकर दीवार से टिकाईं और चुपचाप भीतर चली गईं। बेटे ने दीवार से टिकी बैसाखियों को देखा और जाती हुई माँ को देखा। उसके हाँों पर हल्की-सी मुस्कान तैर गई।



मन्जू सक्सेना

‘हूँ...’ मैं अनमनी सी हो उठी। हाथ में पकड़े पर्स से उंगलियां बेमानी ही उलझने लगीं। तब तक वेटर ने आकर चाय के दो प्याले रख दिए, अनमने एहसास के बीच भी हाँों पर मुस्कान की पतली रेखा खिंच गई। इस छोटे से अन्तराल में कितना परिचित सा हो गया है यह वेटर, जो बिन कहे ही हमारी ज़रूरत भांप जाता है। ‘तुमने मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया मानसी?’ ‘चाय के प्याले में चम्मच हिलाते हुए सागर ने अपना प्रश्न दोहरा दिया। मेरे सामने रखे प्याले की गर्म भाप से जैसे सीने में जमा गुबार पिघल कर लावा बनने लगा, जिसकी तपन से मेरा स्वर झ़झक उठा। ‘सागर! मैं इस बंटी हुई ज़िन्दगी से ऊब गई हूँ। घूटन सी होने लगी है मुझे।’ ‘मानसी! क्या तुम हमेशा दूसरों की दृष्टि से ही अपने को देख कर दुखी होती रहोगी, कभी स्वयं की दृष्टि से भी खुद को पढ़ने का प्रयत्न किया है? कभी अपने बारे में भी सोचा है तुमने?’ ‘अपने बारे में?’ हाँों पर विद्रूप भरी हंसी की रेखा खिंच गई, ‘मैं तो टुकड़ों में बंटी हूँ सागर, जिसके एक खाने में तुम हो, दूसरे में पति, तीसरे में बच्चे हैं, चौथे में समाज, मेरे पास अपने अस्तित्व के लिए कोई खाना बचा ही कहाँ है?’ ‘आखिर, तुम हर बात को इतनी गम्भीरता से क्यों लेती हो? क्या ऐसा नहीं हो सकता कि ज़िन्दगी जिस ढर्रे पर चल रही है, उसी पर चलती रहे?’ सागर ने मेरी हथेलियाँ अपनी मुट्ठी में दबा लीं। मैं उसकी नासमझी पर खीझ उठी। ‘तुम नहीं समझोगे। आखिर मर्द हो न सागर, इन चारों खानों में बंटी मेरी ज़िन्दगी अलग-अलग रहती तो, भी ठीक था, पर हर खाना एक-दूसरे से मिल कर गड़मड़ु हो गया है कि इसमें मेरा वजूद कहाँ है, कुछ समझ नहीं पाती।’ ‘मानसी, बात पहेलियों में मत बुझाओ। मेरी हथेलियों पर उसका दबाव और बढ़ गया। ‘सागर, यह सब कुछ अव्यवस्थित नहीं तो और क्या है, जब मेरा जिस्म कमल के साथ होता है, तो रूह तुम्हें पुकार रही होती है। जब देह तुम्हारे सामने होती है तो कमल के प्रति मन आत्मग्लानि से भर जाता है। ऑफिस में ज़रा सी तन्हाई पाते ही बच्चे, तुम और कमल की छायाएं गुथ्यमगुत्था हो मुझे दोषी ठहराने लगती हैं। अब तुम ही बनाओ सागर, मैं क्या करूँ? काश, ज़िन्दगी का कोई ऐसा टुकड़ा भी होता, जिसमें मैं खुद के वजूद को ढाल पाती। तब शायद यह दर्द, यह तड़प मेरी ज़िन्दगी का हिस्सा न बनता।’ ‘क्या थोड़ी देर के लिए भी तुम यह सब भूल नहीं सकती?’ मेरी बातों से उकता कर सागर के स्वर में कड़वाहट का स्पर्श आ गया, पर मुझ पर उसकी तल्खी का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। मेरा स्वर पूर्ववत् ही रहा। शायद भीतर उबलती सारी की सारी घुटन मैं आज निकाल देने को व्याकुल हो उठी थी। ‘काश, यह क्षणिक सुख ही मेरे भाग्य में होता, पर मैं कैसे भूल जाऊँ कि मैं आज़ाद पंछी नहीं। एक चारदीवारी में क़ैद ‘नारी’ हूँ, जहां मेरे दो बच्चे हैं, जिनके प्रति मेरे कुछ कर्तव्य हैं। कमल हैं, जिनके बच्चों की मैं माँ हूँ, पर जिसके लिए मैं केवल एक हाड़-मांस की मशीन भर हूँ। मेरे सीने में भी ‘दिल’ नाम की कोई चीज़ धड़कती है, उसे इससे कोई सरोकार नहीं... या फिर तुम्हें भूल जाऊँ, जिसके दामन में बेझिझक मैं अपने दिल का समूचा दर्द उड़ेल देती हूँ। बताओ सागर, मैं किसको छोड़ दूँ? किसको भूल जाऊँ?’ उसके हाथों से अपने हाथ खींच मैं उसकी मुड़ियाँ कस कर पकड़ लेती हूँ। उस पल मुझे यह भी खौफ़ नहीं रहता कि आसपास की टेबल पर बैठे लोग हमें देख रहे होंगे। ‘आई एम सॉरी मानसी, मैंने तुम्हारा दिल दुखाया।’ सागर का स्वर पश्चाताप से भर उठा। ‘अच्छा, अब चलूंगी।’ कलाई घड़ी पर मेरी दृष्टि टिकी देख सागर व्यथित सा हो उठा, ‘इतनी जल्दी?’ ‘हां, आज मुझे कमल के साथ कहीं जाना है’ पर्स समेट मैं उठ गई। घर पर कमल पहले से ही आकर बैठे थे, ‘आज बड़ी देर कर दी।’ मुझे देखते ही बोले। ‘हां, देर हो गई!’ मेरा स्वर अनमना सा था। कान कुछ और सुनने उतावले हो उठे, ‘इतनी देर कैसे हो गई, पर मैं अच्छी तरह जानती थी कि वह यह कभी नहीं पूछेगे, और यदि वे पूछ ही बैठे तो क्या मैं अपने

हांों पर विद्रूप भरी हंसी की रेखा खिंच गई, ‘मैं तो टुकड़ों में बंटी हूँ सागर, जिसके एक खाने में तुम हो, दूसरे में पति, तीसरे में बच्चे हैं, चौथे में समाज, मेरे पास अपने अस्तित्व के लिए कोई खाना बचा ही कहाँ है?’ ‘क्या बात है, आज कुछ परेशान सी लग रही हो?’ रेस्ट्र के एक कोने में कुर्सी पर बैठते ही सागर की खोजी दृष्टि मेरे चेहरे पर बिछ गई।

उत्तर के साथ न्याय कर पाऊंगी? एक व्यंग्य भरी मुस्कान मेरे हाँों पर तैर आई। ‘जल्दी से तैयार हो जाओ। आज बाँस के यहां पार्टी है। शर्मा जी भी आएंगे वहां।’ कुर्सी से उठते-उठते कमल कह गए। ‘हू... पार्टी...’ मैं इन पार्टियों का अर्थ खूब अच्छी तरह जानती हूँ। मुस्कुराहट की चाशनी चिपका कर लोगों के बीच पॉपुलर बनने का ढोंग करना, दूसरों पर अपना सिक्का जमाना और खासतौर पर तब, जब कमल का बाँस, वह खूसूट शर्मा अपनी गिड़ग की सी पैनी आंखों से हर खूबसूरत महिला के जिस्म के विशेष? हिस्से नोचता-खसोटता रहे। शर्मा का ध्यान आते ही उबकाई सी आने लगी। मन कसैला हो उठा। मन में आया, कमल से कह दूँ, ‘आज मेरी तबीयत ठीक नहीं, तुम अकेले ही चले जाओ,’ पर उसके बाद उस पर होने वाली प्रतिक्रिया को भी जानती हूँ, इसलिए जाना तो पड़ेगा ही। ऐसे मौकों पर मैं कमल की पत्नी नहीं, बल्कि उसकी संजोयी गई उपलब्धियों में से एक हो जाती हूँ, खूबसूरत बीवी, उस पर बैंक में अधिकारी, पार्टी के तौर तरीकों से पूर्ण परिचित, पार्टी में हर व्यक्ति कमल को ईर्ष्या से देखता है, तो अभिमान से उसका सीना तन जाता है। हाथ मुंह धोकर मैंने आलमारी खोली, ‘कौन-सी साड़ी पहनूँ?’ उधर से गुजरते कमल से मैंने पूछने के लिए खोले अधर फिर बंद कर लिए, क्योंकि मुझे उसका उत्तर पहले ही मालूम है, अरे, कोई सी भी शोख रंग की साड़ी पहन लो’, यह जानते हुए भी कि मुझे हल्के रंग पसन्द हैं। मन में एक हुक सी उठती है, ‘क्या यह वही कमल हैं, जो शादी से पहले कहा करते थे– ‘यार, कपड़ों के चुनाव में तो तुम्हारा जवाब नहीं मानसी।’ पर अब? समझ में नहीं आता, ज़िन्दगी की गति एकसार चलते-चलते कहाँ उलट-पुलट गई? खुशियां समेटते हुए कहाँ चूक हो गई, जो हमारे बीच रीतेपन की दरार उभर आई? एक छत के नीचे अब हम दुनिया की गिगाहों में पति-पत्नी का धर्म ज़रूर निबाह रहे हैं, पर जच्चातों? की? गरमी, संबंधों की महक तो हमारे बीच कब की दम तोड़ चुकी है। रह गया है बस एक पथरीलापन, जिसको टटोलेते भी उंगलियां ज़ख्मी हो जाती हैं। अनमने मन से मैंने सामने रखी पीली साड़ी खींच ली। तैयार हो कर बाहर निकली तो कमल अपने सूट पर इत्र छिड़क रहे थे। मुझे देखते ही बोल उठे, ‘लो, तुम भी लगा लो।’ नहीं! ईवनिंग इन पैंरिस की तेज़ महक मेरे नथुनों में घूस गयी। मन फिर कसैला हो उठा। कमल को मालूम है मुझे कृत्रिमता पसंद नहीं, फिर... नौकर से बच्चों को खाना खिला कर सुला देने को कह मैं कमल के साथ कार में बैठ गई। ‘हैलो मिसेज माथुर, आज तो पीली साड़ी में पूरी बसंती बहार नजर आ रही हैं।’ पार्टी में पहुंचते ही वहां उपस्थित लोगों ने हमें घेर लिया। ‘कहिए मिसेज़ माथुर, अच्छी तो हैं?’ सामने शर्मा, जो अपनी नुकीली दृष्टि मेरे जिस्म के हर कटाव पर चुभो रहे थे। ‘बस, सब आपकी कृपा है।’ भीतर से उबकाई महसूस करते हुए ही हाँों पर मैंने बेहतरीन मुस्कान का मुछौंटा चढ़ा लिया। ‘मिसेज़ माथुर, यू आर स्मार्ट एन्ड प्रीटीएस्ट लेडी ऑफ द पार्टी।’ तेवरों में भावुकता का जाम चढ़ाते हुए उस शर्मा के बच्चे ने मेरा हाथ पकड़ लिया। थैंक्स फॉर द कॉम्पलीमेन्ट! हंसकर धीमे से मैंने आना हाथ छुड़ा लिया। मन तो किया, यही हाथ उसके गाल पर रसीद कर दूँ... रिटायर होने के करीब बैठा है और... इडियट... इनसे मिलिए! मिस्टर सागर वर्मा, ‘सागर इन्टरप्राइजेस’ के मालिक और यह हैं मिसेज एन्ड मिस्टर कमल माथुर, हमारी पार्टी की जान।’ परिचय कराते-कराते बाँस हो-हो... कर हंस पड़े तो चौंकने के साथ ही उसकी हंसी मेरे कानों में गर्म शीशे सी पिघल उठी। लगा जैसे सबके सम्मुख बाँस ने मुझे निर्वस्त्र कर दिया हो। सागर भी मुझे वहां देख कर अचकचा गया। कमल से हाथ मिला कर वह बुदबुदाचा, ‘ग्लैड टू मीट

रातभर मैं सोचों की सेज पर करवटें बदलती रही, पर सुबह तक बादल छंट चुके थे। भटके सागर को उसके द्वार वापस पहुंचा मेरे मन में अब तक का जमा सारा गुब्बार पानी-पानी बन बह गया। मन खुले गगन में उड़ते मुक्त पंछी सा प्रसन्न हो उठा। अब तक सपनों की जिस मरीचिका में भटक रही थी, पराई संवेदनाओं के जिस सेतु पर मैं अपने महल बना रही थी, वहां से मुझे हो मुझे तनिक भी पश्चाताप नहीं हुआ। मन आज नई करवटें ले रहा था। मैंने निर्णय ले लिया अपनी ज़िन्दगी के उस रिक्त खाने को भरने का, जिसमें सागर

अनाधिकार ही प्रवेश कर गया था। पराया सम्बल भी क्या किसी का आधार बन सकता है? मैं अपनी नादानी में कभी कमल तो कभी सागर में अपनी बैसाखी तलाश रही थी, पर अब मुझे ऐसा महल बनाना था, जिसकी नींव और दीवार सब कुछ मैं ही होऊँ।

यू।’ और फिर तेजी से ‘एक्सक्यूज मी’ कहता हुआ भीड़ में खो गया। मैं भी सबकी नज़रें बचा भीड़ से निकल बाहर एकान्त में आ गई। भीतर की पार्टी की गहमागहमी से दूर मन एकान्त पाते ही सागर में डूब गया। पता नहीं भीड़ में कहां खो गया था। सागर के साथ हुई पहली भेंट ज़ेहन पर छाने लगी। उस दिन टैक्सी हड़ताल के कारण बसों में इतनी भीड़ थी कि तीन बस मेरे सामने से गुजर गई और मैं वहीं की वहीं खड़ी रह गई। झल्लाहट में भरी मैं कुछ समझ नहीं पा रही थी कि क्या करूं। हड़ताल का पहले से मालूम होता तो कमल के साथ ही चली जाती। अचानक एक स्वर सुन कर चौंक उठी, ‘इस तरह तो आप शाम तक यहीं खड़ी रहेंगी। अगर आप इजाज़त दें तो मैं आपको छोड़ दूँ।’ मेरे सामने फिएट कार का अगला दरवाज़ा खोलते हुए वह बोला। क़ौमती पहनावे और सूरत-शक्ल से वह कोई संभ्रांत व्यक्ति लग रहा था। उम्र चालीस के आसपास होगी, पर अधरों पर खेलती बाल सुलभ मुस्कान उसकी शराफ़त का परिचय दे रही थी, पर फिर भी किसी अजनबी के साथ यूं जाना... ‘मैं चली जाऊंगी!’ मैंने स्वर जान-बूझकर तान लिया, पर उसकी परवाह किए बिना उस अजनबी ने सहज स्वर में मुस्कुरा कर फिर कहा, ‘मैं आप पर कोई एहसान नहीं कर रहा, पर... दरअसल मुझे भी उधर ही जाना है, हिन्द नगर, आपके बैंक के आगे। मेरी हिचकिचाहट देख वह फिर बोला, यदि आप यहीं खड़ी रहें तो शाम तक तो शायद बैंक पहुंच नहीं सकेंगी, वैसे आपकी इच्छा। अचानक मेरे मस्तिष्क में उस दिन बैंक में होने वाली एक अति आवश्यक मीटिंग घूम गई और कदम यंत्रचालित से कार की ओर उठ गए, ‘मैं सागर हूँ, सागर वर्मा, आपके बैंक में मेरा एकाउन्ट है।’ एक्सीलेटर पर पांव दबाते हुए उसने कहा था। और फिर संयोग से जब भी मैं टैक्सी की प्रतीक्षा में होती, सागर वहां मिल जाता। पार्टी रात दो बजे तक चली पर सागर कहीं नज़र नहीं आया। शायद वह मेरे सामने नहीं आना चाहता था। सोचा था, सागर से बहुत कुछ पूछेंगी, पर उसके बाद कई दिन गुजर गए, उससे मुलाकात ही नहीं हुई। उस दिन बैंक से लौटते समय मैंने टैक्सी बाजार में ही रुकवा दी थी। कुछ छुटपुट चीजें खरीदनी थी। मन न जाने क्यों सुबह ही बेहद उद्गिन और बेचैन सा था। अचानक पीछे से एक नारी स्वर में अपना नाम नुन मैंने चौंक कर पीछे देखा, एक आकर्षक सी युवती मुस्कुराती हुई मेरी ओर बढ़ रही थी। ‘सुनिए... तुम... मेरा मतलब है आप... का नाम मानसी तो नहीं?’ किसी भूले परिचय का भाव उसके चेहरे पर प्रश्नचिह्न दंगा था। अचानक बचपन को पतों के साथ दबी कोई स्मृति मुंह निकाल कर झांक उठी, ‘ओह... तुम? श्यामली?’ उम्र की बीस सीढ़ियां लांघ हम फिर पीछे पहुंच बचपन की तरह भरे बाज़ार में ही एक-दूसरे से लिपट गए, ‘श्रुक्र है, तूने पहचान तो लिया। इस शहर में कब आई?’ उसके स्वर में उल्लाहना था, ‘मैं तो यहां दस वर्ष से हूँ, बर्कले स्व्वायर वाली यूको बैंक में मैनेजर हूँ। ‘हद है और अब तक हमारी मुलाकात नहीं हुई। मैं भी तो विवाह के बाद से यही हूँ।’ उसकी बड़ी-बड़ी आंखें हैरत में चौड़ी हो गईं। ‘चल, वह सामने मेरा घर है। इतने बरसों बाद मिली हो तो यूं छोड़ने वाली नहीं मैं।’ श्यामली ने मेरा हाथ पकड़ लिया। ‘तो मैं ही कौन सा छोड़ने वाली हूँ।’ दिनभर के अनजाने अवसाद से खिन्न मन को जैसे शीतल फुहार का स्पर्श मिल गया। श्यामली मेरे बचपन की हमजोली थी। जेठ के महीने की तपती दोपहर में कच्ची अमिया बीनने से लेकर यौवन की पहली सीढ़ी तक के खट्टे-मोटे अनुभव हमने एक साथ ही जिए थे। हमारा कोई भी राज़ एकतरफ़ा नहीं था। इतने दिनों से समस्याओं के अंधड़ में

कहानी

टुकड़ा-टुकड़ा ज़िंदगी



इन्टरप्राइजेस। हजारों डंक मेरे वजूद में चुभ गए। उफ़! अनजाने में मैं यह क्या कर बैठी? अपने आंसू पोंछने के प्रयत्न में मैं अपनी सखी का ही दामन भिगो बैठी। अपने दिल के ज़ख्मों पर मरहम लगाते-लगाते मैं अपने तेज नाखूनों से उसी के दिल पर खरोंचें मार रही थी। ‘तू चिन्ता मत कर श्यामली! सब कुछ ठीक हो जाएगा।’ कांपते अधरों से निकला। अप्रासंगिक वाक्य सुन एक पल को वह भी हतप्रभ सी रह गई, पर उसने उसका दूसरा ही अर्थ लगाया, ‘मैं जानती हूँ मानसी! मेरी स्थिति जान कर तेरा दिल दुखी हो गया है। बचपन में भी तो तू मेरी परेशानी देख ऐसे ही परेशान हो जाया करती थी, पर तू चिंता मत कर... बस मैं एक बार उस महिला से मिलकर देखना चाहती हूँ कि आखिर उसमें ऐसी कौन सी खूबी है, जिसने सागर जैसे स्नेही पति को मुझसे बांट लिया? या फिर यह केवल मर्द की फ़िरत है, जो सब कुछ होते हुए भी ‘परिवर्तन’ की आकांक्षा रखता है?’ ‘तुझे उस ‘छिछोरी’ स्त्री से मिलने की कोई आवश्यकता नहीं। तेरे पति धर्म की आंच के सामने वह स्वयं नहीं ठहर पाएंगी।’ मेरा स्वर अनावश्यक रूप से इतना तीखा हो उठा कि एक बार श्यामली भी चौंक उठी। फिर मुस्कुरा कर बोल उठी, ‘याद है न मानसी! जब बचपन में मेरी किसी से लड़ाई हो जाती तो तू अगले पक्ष पर ऐसे ही क्रोधित हो उठती थी और तब तेरा वह रूप मुझे बहुत अच्छा लगता। आज भी तेरी वही मुद्रा देख मेरा मन? बहुत हल्का हो गया है। सच में तू बिल्कुल नई बदली मानसी।’ श्यामली का स्वर बेहद भावुक हो उठा, पर मेरे भीतर तो ग्लानि की ज्वाला दहक रही थी। कहीं श्यामली ने मेरे भीतर का वह घिनीना कोना देख लिया तो...? अच्छा, अब चलूंगी! कह कर मैं तेज़ कदमों से बाहर निकल आई। कहीं सागर से सामना न हो जाए, उसके सम्मुख भी क्या मैं यूँ ही सहजता का मुछौंटा ओढ़ पाऊंगी? फिर आना ज़रूर! दरवाज़े तक छोड़ने आई श्यामली ने मुझसे वादा लिया। हो, ज़रूर आऊंगी! मैंने कह तो दिया, पर मैं जानती थी, अब कभी उस देहरी को छूने का भी मैं साहस नहीं कर पाऊंगी। घर लौटी तो कमल बहुत दिनों बाद आज चाय पर मेरी प्रतीक्षा कर रहे थे। रातभर मैं सोचों की सेज पर करवटें बदलती रही, पर सुबह तक बादल छंट चुके थे। भटके सागर को उसके द्वार वापस पहुंचा मेरे मन में अब तक का जमा सारा गुब्बार पानी-पानी बन बह गया। मन खुले गगन में उड़ते मुक्त पंछी सा प्रसन्न हो उठा। अब तक सपनों की जिस मरीचिका में भटक रही थी, पराई संवेदनाओं के जिस सेतु पर मैं अपने महल बना रही थी, वहां से मुक्त हो मुझे तनिक भी पश्चाताप नहीं हुआ। मन आज नई करवटें ले रहा था। मैंने निर्णय ले लिया अपनी ज़िन्दगी के उस रिक्त खाने को भरने का, जिसमें सागर अनाधिकार ही प्रवेश कर गया था। पराया सम्बल भी क्या किसी का आधार बन सकता है? मैं अपनी नादानी में कभी कमल तो कभी सागर में अपनी बैसाखी तलाश रही थी, पर अब मुझे ऐसा महल बनाना था, जिसकी नींव और दीवार सब कुछ मैं ही होऊँ।

कहानी: टुकड़ा-टुकड़ा ज़िंदगी

बहुत दिनों से कागज़-कलम आलमारी में बंद पड़े थे। आज निकाल लिया। कलम चलने लगी, रीतापन पेन में भरी स्थाही की तरह मेरे भीतर से निकल कागज़ पर बिखर गया। कलम से निकलते हर शब्द के साथ टुकड़ा टुकड़ा हुआ मेरा अस्तित्व जुड़ता जा रहा था। खाना चौड़ा होकर भरता जा रहा था। उस खाने में मैं कमल की पत्नी नहीं, सागर की मित्र नहीं, बच्चों की मां भी नहीं थी, मैं केवल मैं थी, मानसी एक भरापूरा समूचा अस्तित्व।

बालको में सुरक्षा संस्कृति को मिला नया बल, पांच वर्षों में 27,000 से अधिक लोगों को सुरक्षा प्रशिक्षण



बालको में सभी कर्मचारियों, व्यावसायिक साझेदारों और आगंतुकों के लिए सुरक्षा इंडक्शन अनिवार्य है। इसके माध्यम से कार्यस्थल पर मौजूद संभावित जोखिमों और जरूरी सुरक्षा नियमों की जानकारी दी जाती है। प्रचालन क्षेत्र में प्रवेश से पहले प्रतिभागियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं से परिचित कराया जाता है और इसके बाद सुरक्षा से जुड़ा आंकलन भी किया जाता है। पिछले पांच वर्षों में बालको ने 27,000 से अधिक लोगों को सुरक्षा इंडक्शन दिया है। वहीं, वित्तवर्ष 2026 में 2.30 लाख से

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) में सुरक्षा केवल नियमों और प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह काम करने के तरीके और व्यवहार का अभिन्न हिस्सा है। बालको ने अनिवार्य सुरक्षा प्रशिक्षण, व्यावहारिक गतिविधियों और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों, व्यावसायिक साझेदारों, आगंतुकों और आसपास के समुदायों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया है। इन प्रयासों का उद्देश्य 'जीरो हार्म' की संस्कृति को मजबूत करना और सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

अधिक मैन-आवर्स का सुरक्षा प्रशिक्षण पूरा किया गया।

बालको ने सुरक्षा प्रशिक्षण को नियमित गतिविधियों से आगे बढ़ाकर व्यवहार में शामिल करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। 'सुरक्षा संकल्प' के माध्यम से लगभग पांच वर्षों से कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों के बीच सुरक्षा जागरूकता बढ़ाई जा रही है। हर सत्र में अलग विषय के माध्यम से सुरक्षा के बेहतर तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

'सुरक्षा स्टीवर्ड' के तहत शॉप फ्लोर से चुने गए सुरक्षा चैंपियन अपने साथियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों के लिए प्रेरित करते हैं। 'सुरक्षा पहल' सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाती है, जबकि 'सुरक्षा ज्योति' के माध्यम से सुपरवाइजर्स को सुरक्षा से जुड़ा प्रशिक्षण देकर उनके नेतृत्व कौशल को मजबूत किया जाता है। वहीं, 'सुरक्षा प्रहरी' और 'सुरक्षा चौपाल' जैसे संवादात्मक मंचों के माध्यम से वरिष्ठ प्रबंधन और सुपरवाइजर सुरक्षा से जुड़े विषयों, चुनौतियों और बेहतर कार्यप्रणालियों पर सीधे संवाद करते हैं।

इस वर्ष की शुरुआत में बालको ने 'सेफ्टी पार्क' भी शुरू किया। यह एक अनुभव आधारित प्रशिक्षण केंद्र है, जहाँ मॉडल, व्यावहारिक मॉड्यूल और दृश्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सुरक्षा नियमों को आसानी से समझाया जाता है। इससे प्रतिभागियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं को देखकर और समझकर सीखने का अवसर मिलता है।

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में बालको के प्रयासों को ग्लोबल रोड सेफ्टी अवॉर्ड 2026 से भी सम्मानित किया गया है। यह सम्मान



जीरो हार्म हम सभी की साझा जिम्मेदारी है- सीईओ राजेश कुमार सिंह

सुरक्षा को व्यवहार का हिस्सा बनाने पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह ने कहा, 'बालको में सुरक्षा हमारे काम करने, नेतृत्व करने और हर दिन निर्णय लेने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जीरो हार्म हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। जागरूकता, जिम्मेदारी और एक-दूसरे की चिंता के माध्यम से हम सुरक्षा को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, ताकि हर व्यक्ति सुरक्षित रूप से घर लौटे।

बालको द्वारा सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की पहचान है।

पाली बस स्टैंड में मलबा का ढेर: व्यापारी, बस चालक, यात्री और खरीददार सब परेशान



पाली (दिव्य आकाश)। नगर पंचायत पाली के नया बस स्टैंड स्थित जर्जर हो चुके पुराने यात्री प्रतीक्षालय को तोड़कर नए प्रतीक्षालय का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य शुरू करने के लिए पुराने भवन को तोड़ा तो गया, लेकिन उसका मलबा पूरी तरह हटाना जिम्मेदार भूल गए। मलबे का कुछ हिस्सा अब भी बस स्टैंड परिसर में जस का तस पड़ा है, जो चारों दिशाओं से आने-जाने वाली दर्जनों बसों के चालकों, यात्रियों और स्थानीय दुकानदारों के लिए भारी मुसीबत का सबब बन गया है। पुराने प्रतीक्षालय के अवशेष पड़े होने के कारण बस स्टैंड में वाहनों के आवागमन और मुड़ने के लिए जगह काफी सीमित हो गई है। नया बस स्टैंड क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक बसें रात्रि विश्राम करती हैं। मलबे के कारण रात में बसों को पार्क करने में चालकों को ख़ासी मशक्कत करनी पड़ रही है। वहीं, उड़ती धूल और मलबे के ढेर के कारण आसपास के व्यापारियों का व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। खरीदारी और बसों का इंतज़ार करने पहुंचे यात्रियों को भी भारी असुविधा हो रही है। जर्जर भवन तोड़कर नया प्रतीक्षालय बनाने की पहल की सराहना तो हो रही है, लेकिन मलबे को बीच में ही छोड़े जाने से फैली अव्यवस्था को लेकर लोगों में रोष व्याप्त है। स्थानीय व्यापारियों व बस ऑपरेटरों ने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि परिसर से अविलंब मलबा हटाया जाए, ताकि नए निर्माण के साथ-साथ बस स्टैंड की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

पाली परिक्षेत्र में हरियाली पर संकट: जंगल में औषधीय पौधों को चट कर रहे भेंड़

पाली (दिव्य आकाश)।

कटघोरा वनमंडल अंतर्गत पाली परिक्षेत्र के घने और औषधीय महत्व वाले जंगलों की हरियाली पर इन दिनों गहरा संकट मंडरा रहा है। शासन स्तर पर छत्तीसगढ़ के सुरक्षित वनों में बाहरी राय्यों के मवेशियों का प्रवेश और चराई पूरी तरह प्रतिबंधित होने के बावजूद राजस्थान और गुजरात से आए चरवाहे हजारों की संख्या में भेंड़, बकरी और ऊंट लेकर पिछले एक महीने से जंगलों में बेधड़क डेरा डाले हुए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वन कर्मियों की मौन सहमति और संरक्षण के खेल में जंगल की प्राकृतिक वनस्पति और नर्सियां बुरी तरह रौंदी जा रही हैं। वर्तमान में चरवाहों का सबसे बड़ा डेरा लाफा सर्किल के नगोई-भादा जंगल में देखा जा रहा है। जंगल के बीचों-बीच सैकड़ों भेंड़-बकरियों और ऊंटों की चहलकदमी से छोटे पौधे नष्ट हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, जिस क्षेत्र में ये मवेशी रुकते हैं, वहां की वनस्पतियां जड़ से समाप्त



हो जाती हैं। अंधाधूंध चराई और मानवीय दखल के कारण उत्पन्न शोरगुल से जंगली जानवरों का प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहा है, जिससे वन्यजीव अन्य क्षेत्रों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। हर साल सितंबर और अक्टूबर के महीने में राजस्थानी व गुजराती चरवाहे योजनाबद्ध तरीके से पाली परिक्षेत्र में प्रवेश करते हैं। ये समूह बतरा, लाफा, बुडबुड, सराईपाली, पुटा-उड़ता के जंगलों से गुजरते हुए सीमावर्ती बिलासपुर जिले के खोंदरा वन क्षेत्र की ओर आगे बढ़ते हैं। रास्ते में अवैध रूप से मवेशियों की खरीद-बिक्री भी की जाती है। स्थानीय निवासियों का सीधा आरोप है कि बीट स्तर के वन कर्मियों को इस अवैध घुसपैठ की पूरी जानकारी

रहती है। कथित तौर पर आर्थिक लाभ के चक्कर में न तो चरवाहों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई की जाती है और न ही इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई जाती है। यदि समय रहते इस पर कड़ा सज़ान नहीं लिया गया, तो पाली के समृद्ध और औषधीय जंगल जल्द ही बंजर भूमि में तब्दील हो जाएंगे।

मामले की जानकारी बीट गार्ड के माध्यम से मुझे नहीं मिली थी। खबर सज़ान में आने के बाद तत्काल वन विभाग की टीम को मौके पर भेजा जा रहा है। अवैध रूप से चराई करा रहे चरवाहों और मवेशियों को जल्द कर नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। योगेश्वर प्रसाद वन परिक्षेत्राधिकारी वनपरिक्षेत्र पाली

लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर दिया स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का संदेश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल ने 03 अक्टूबर को लायंस सेवा सप्ताह के तहत ग्राम खहरकुड़ा, मडवारांनी में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया और स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान में लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल क्लब के सदस्यों सहित ग्रामवासियों ने अपनी सहभागिता देते हुये ग्राम एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल के सदस्यों ने स्वयं श्रमदान करते हुए आसपास के क्षेत्रों से कचरा एवं गंदगी हटाई तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने क्षेत्र में सदैव स्वच्छता बनाए रखेंगे, न स्वयं गंदगी करेंगे और न ही दूसरों को गंदगी करने देंगे।

इस स्वच्छता अभियान के अवसर पर क्लब मार्गदर्शक एवं पूर्व प्रान्तपाल



पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने ग्रामवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं साफ-सुथरा वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि हमारा गांव और आसपास का क्षेत्र स्वच्छ रहेगा, तो इसका सीधा लाभ हम सभी के स्वास्थ्य एवं जीवन पर पड़ेगा और एक-एक कड़ी जुड़कर हमारा भारत स्वच्छ और स्वस्थ बनेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपने घर, गली, मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने तथा कचरे का उचित निपटारा करने का आग्रह किया।

लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल के अध्यक्ष

लायन दर्शन अग्रवाल ने स्वच्छता पखवाड़ा में सहभागिता करते हुए ग्रामीणों को आभार प्रकट करते हुये कहा कि स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को यह संदेश देना रहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हम सबकी दिनचर्या में शामिल होना चाहिए।

उक्त कार्यक्रम में लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल के सचिव लायन सुरेन्द्र कुमार डनसेना, लायन सुभाष चंद अनंत, लायन पार्वती दास एवं अन्य लायन सदस्य व ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सचिव मोतीलाल जगत का निधन



पाली। ग्राम पंचायत भंडारखोल के सचिव मोतीलाल जगत का दिनांक 05 अक्टूबर 2026 का निधन हो गया। वे पत्नी, दो बच्चे सहित भरापूर परिवार छोड़कर चले गए। उनके निधन की खबर से सचिव परिवार सहित परिचितों एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर व्याप्त है। मोतीलाल जगत के निधन को सचिव परिवार ने अपूरणीय क्षति बताते हुए गहरा दुःख व्यक्त किया है।

जनदर्शन: दूरस्थ अंचलों से पहुंचे नागरिकों ने रखी अपनी बात कलेक्टर ने दिए संवेदनशीलता से निराकरण के निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के दूरस्थ वनांचल, पहाड़ी और शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सीधे सुनीं। उन्होंने आवेदकों से संवाद कर उनके प्रकरणों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार परीक्षण करते हुए समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में जिलेभर से पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न विभागों से संबंधित 114 आवेदन प्रस्तुत किए। इनमें वनपट्टा संबंधी जांच, मानदेय एवं लंबित वेतन भुगतान, शिक्षा प्रोत्साहन योजना का लाभ, पीएम आवास की लंबित राशि, राशन कार्ड, महतारी वंदन योजना की राशि, स्वास्थ्य जांच,



किसान क्रेडिट कार्ड, बकरी शेड निर्माण के लिए सहायता, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, राहत राशि, बिजली बिल में सुधार, भूमि अधिग्रहण के बाद नौकरी एवं मुआवजा, सहायक उपकरण तथा अभिलेखों में त्रुटि सुधार एवं रिकॉर्ड दुरुस्ती से जुड़े प्रकरण शामिल रहे।

नागरिकों ने लंबित मुआवजा प्रकरणों की जांच, नए राशन कार्ड जारी करने तथा पात्र लोगों को आजीविका के साधनों से जोड़ने सहित अन्य मांगें भी कलेक्टर के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्री दुदावत ने अधिकारियों को आवेदनों पर संवेदनशीलता के

साथ कार्रवाई करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जनदर्शन शासन और नागरिकों के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है। इसके जरिए आमजन अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखते हैं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा करते हुए प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

जनदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रतीक जैन, ओएसडी तरुण कुमार किरण, सहायक कलेक्टर इश्रात जायसवाल, अपर कलेक्टर देवेन्द्र पटेल, अपर कलेक्टर ओंकार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।